B.A. Part—III (Semester-V) Examination

(Literature of Modern Language)

HINDI LITERATURE

समय : तीन घंटे] [पूर्णांक : 80

1. (अ) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

क्या थी, अब कौन हूँ, कहाँ थी, अब मैं कहाँ,
क्या न था, परन्तु अब मेरा क्या रहा यहाँ ?
आज मैं विदेशिनी हूँ अपने ही देश में,
बन्दिनी-सी आप निज निर्मम निवेश में !
हा ! दु:स्वप्न ही मैं इसे मान कहीं सकती,
कैसे समझाऊँ मन, जान नहीं सकती।
मेरी यह दिव्य धरा आज पराधीना है,
इन्द्राणी अभागिनी है, देवेश्वरी होना है !

अथवा

''नारायण ! नारायण ! धन्य नर-साधना,
इन्द्र-पद ने भी की उसी की शुभाराधना।''
बोल उठी नारद की बल्लकी गगन में,
जा रहे थे घूमने वे गंगातीर वन में।
उस स्वर-लहरी में लोट उठा गन्धवाह,
चाह की सी आह उठी किन्तु बन वाह वाह ?
चौंक अप्सराएं उठ बैठी और झूमीं वे,
नूपुर बजाके ताल ताल पर धूमींवे !

8×1=8

(आ) दीर्घोत्तरी प्रश्न :

'नहुष' खण्ड काव्य के आधार पर शची का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

खण्ड काव्य की दृष्टी से 'नहुष' का मूल्यांकन कीजिए। 8×1=8

ARREGEmail

2. (अ) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

"तुमने कई साल तक सारे मुहल्ले के लोगों को तंग किया। तुम्हारे कोलाहल के मारे वे न काम कर सकते थे, न चैन से बैठ सकते थे और न सो सकते थे। उनमें से आधे तो मुझसे घृणा करने लगे हैं। सोचते हैं, अगर भगवान न होता तो यह भगत इतना हल्ला न मचाता। तुमने मुझे कितना बदनाम किया है।"

अथवा

अपनी ही भाषा और उसी के साहित्य को प्रधानता देनी चाहिए; क्योंकि अपना, अपने देश का, अपनी जाति का उपकार और कल्याण अपनी ही भाषा के साहित्य की उन्नति से हो सकता है। ज्ञान, विज्ञान, धर्म और राजनीति की भाषा सदैव लोकभाषा ही होनी चाहिए। अत एव अपनी भाषा के साहित्य की सेवा और अभिवृद्धि करना, सभी दृष्टियों से, हमारा परम धर्म है।

8×1=8

(आ) दीर्घोत्तरी प्रश्न :

'मेरा जीवन' पाठ के आधार पर प्रेमचंदजी के शैक्षणिक प्रवास की चर्चा कीजिए।

अथवा

'सिक्का बदल गया' पाठ का उद्देश्य लिखिए। 8×1=8

3. दीर्घोत्तरी प्रश्न (किन्हीं **दो** के उत्तर) :-

(1) आधुनिक हिंदी खड़ी बोली गद्य का सामान्य परिचय देते हुए विकास पर चर्चा कीजिए।

(2) भारतेन्दु युग के काव्य की विशेषताएं लिखिए।

(3) द्विवेदी युगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ लिखिए।

(4) हिंदी खड़ी बोली काव्य के उद्‌भव पर सविस्तर प्रकाश डालिए। 8×2=16

4. लघुत्तरी प्रश्न (कोई **चार**) :-

(1) देवों का राजा बनने के बाद 'नहुष' के चरित्र में क्या परिवर्तन हुआ स्पष्ट कीजिए।

(2) नहुष को सर्प बनने का श्राप क्यों मिला था ?

(3) संवदिया के बारे में लोगों की क्या धारणा थी ?

(4) 'बबूल और कैक्टस' पाठ के आधार पर बबूल के पेड़ का वर्णन कीजिए।

(5) हिंदी खड़ी बोली काव्य के विकास की चर्चा कीजिए।

(6) भारतेन्दु युग की राष्ट्रीयता पर प्रकाश डालिए। 4×4=16

ARREGEmail

5. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार दीजिये :

(1) नहुष किसका पुत्र था ?

(अ) पुरूरवा (ब) आयु

(क) दुर्वासा (ड) इंद्र

(2) 'नहुष' के कवि कौन हैं ?

(अ) पंत (ब) गुप्त

(क) प्रसाद (ड) इनमें से नहीं

(3) नहुष में कितने सर्ग हैं ?

(अ) सात (ब) नौ

(क) ग्यारह (ड) पाँच

(4) ब्रह्म हत्या का दोष किस पर लगा हुआ था ?

(अ) शची (ब) उर्वशी

(क) अग्नि देव (ड) इंद्र

(5) स्वर्ग का राजा किसे बनाया गया ?

(अ) रुतासूर (ब) बृहस्पति

(क) नहुष (ड) इनमें से नहीं

(6) 'साहित्य की महत्ता' इस पाठ के लेखक कौन हैं ?

(अ) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(क) प्रेमचंद (ड) प्रसाद

(7) प्रेमचंद द्वारा लिखित पाठ साहित्य की कौन-सी विधा से संबंधित है ?

(अ) नाटक (ब) आत्मकथा

(क) कहानी (ड) उपन्यास

(8) शाहनी के पति का नाम क्या था ?

(अ) शाहजी (ब) शेरे

(क) साहू (ड) शमशेर

ARREGEmail

(9) 'सम्वदिया' के लेखक कौन है ?

(अ) प्रेमचंद (ब) प्रसाद

(क) रेणु (ड) पंत

(10) 'बबूल और कैक्टस' इस पाठ के लेखक को कमरे में क्या दिखायी देता है ?

(अ) बबूल (ब) गुलाब

(क) चमेली (ड) कमल

(11) हिंदी नवजागरण के अग्रदूत कौन थे ?

(अ) प्रसाद (ब) पंत

(क) अज्ञेय (ड) भारतेंदु

(12) खड़ी बोली गद्य का विकास किस सदी में हुआ ?

(अ) 17वीं (ब) 19वीं

(क) 20वीं (ड) 18वीं

(13) आधुनिक काल की खड़ी बोली में लिखा हुआ पहला महाकाव्य कौनसा है ?

(अ) साकेत (ब) कामायनी

(क) रामायण (ड) प्रिय-प्रवास

(14) भारतेन्दु युग की विशेषता लिखी है :

(अ) डिंगल भाषा (ब) गुरू महिमा

(क) नामस्मरण (ड) राष्ट्रीयता

(15) द्विवेदी युग में काव्य की भाषा कौनसी थी ?

(अ) अवधि (ब) मैथिली

(क) अपभ्रंश (ड) खड़ी बोली

(16) द्विवेदी युग के प्रवर्तक कौन है ?

(अ) प्रसाद (ब) पंत

(क) अज्ञेय (ड) महावीर प्रसाद द्विवेदी $1\times16=16$

ARREGEmail